Behaviour Science, 04

प्रश्न . फ्रायड का मन-संरचना मॉडल क्या है?

What is the Freud's Structural Model of Mind?

Or

व्यक्तित्व में उपाहम, अहम, पराअहम को वर्णित कीजिए।

Describe the ID, Ego and Super Ego in personality.

उत्तर - फ्रायड का मन-संरचना माडल (Freud's Structural Model of Mind) - सिग्मण्ड फ्रायड ने सन् 1923 में मन के संरचनात्मक माडल को परिभाषित किया, जो हमारे मानसिक जीवन को वर्णित करते हैं।

इस सिद्धांत के अनुसार व्यक्तित्व का निर्माण तीन उपतन्त्रों (sub-systems) द्वारा होता है-

Sigmund Freud defined the structural model of the mind in 1923, which describes our mental life.

According to this theory, personality is formed by three sub-systems-

1. उपाहम/इदम् (ID)

2. अहम् (Ego)

3. पराअहम् (Super Ego)

1. उपाहम/इवम् (ID)

• ID एक लैटिन शब्द है, जिसका हिन्दी अर्थ "यह" (It) होता है।

ID मनुष्य की नैसर्गिक, सहजवृत्ति और व्यक्तित्व की संरचना को प्रकट करता है।

• ID किसी व्यक्ति में जन्म से मौजूद अभिन्न हिस्सा है, जो विशेष रूप से हमारी यौन इच्छाओं, आवेगों, आक्रामकताओं और शारीरिक आवश्यकताओं का स्रोत (source) है।

• ID (उपाहम) का वास्तविकता से कोई संबंध नहीं होता। यह अचेतन (unconscious) स्तर पर काम करता है जो सहजवृत्ति (instinct) प्राथमिकता पर जोर देता है।

• इदम् को खुशी का सिद्धांत (Principles of Pleasure) के रूप में भी जाना जाता है।

यह हमारे मन से दर्द या दुख जैसी स्थिति से बचने की मांग करता है।

• इदम् को अच्छे-बुरे का ज्ञान नहीं होता है।

• यह किसी भी इच्छा की तुरन्त संतुष्टि पर जोर देता है।

इदम् हमारे व्यक्तित्व का दुर्गम हिस्सा है और उसमें से अधिकांश नकारात्मक चरित्र के रूप में वर्णित है, जिससे यह सहज ज्ञान तक पहुंचने और जीवन में ऊर्जा भरने का

कार्य करता है।

• ID is a Latin word, which means "It" in Hindi.

ID reveals the natural, instinctive and personality structure of a human being.

• ID is an integral part present in a person from birth, which is especially the source of our sexual desires, impulses, aggression and physical needs.

• ID has no relation with reality. It works at the unconscious level which emphasizes on instinctive priority.

• Id is also known as the Principles of Pleasure.

It demands from our mind to avoid a situation like pain or suffering.

• Id does not have the knowledge of good and bad.

• It emphasizes on the immediate satisfaction of any desire.

The id is the inaccessible part of our personality and much of it is described as negative in nature, serving to access intuitive wisdom and energize life.

2. अहम् (Ego)

Ego (the "I", Self, मैं/अहम्) वास्तविकता के सिद्धांत के अनुसार कार्य करता है।

फ्रायड से पहले Ego शब्द को स्वयं की भावना के मतलब के लिए (secure of self) सम्बोधित किया जाता था, परन्तु बाद में इसे सहिष्णुता (tolerance), नियंत्रण (control), योजना (planning), रक्षा (defence), सूचना का संश्लेषण (synthesis of information), स्मृति (memory) के रूप में और मानसिक कार्यों को करने वाला नैतिकतापूर्ण निर्णय लेने वाला बताया गया।

• Ego वास्तविकता को अलग करता है। यह हमारी सोच और समझ को व्यवस्थित करता है और हमारे आस-पास की दुनिया बनाने में हमारी मदद करता है।

• इसे उपाहम (ID) से ऊर्जा प्राप्त होती है।

• Ego उपाहम पर नियंत्रक की तरह कार्य करता है।

• इसे द्वितीयक चिन्तन प्रक्रिया "secondary thinking process" भी कहा जाता है।

• इसके अधिकांश कार्य चेतन अवस्था में व कुछ कार्य अचेतन अवस्था में सम्पन्न होते हैं।

• इसे "seat of consciousness" भी कहा जाता है।

• यह इदम् (ID) व पराअहम् (super ego) के मध्य सन्तुलन का कार्य करता है।

• "Ego (अहम्), इदम् (ID) और पराअहम् (super ego) के बीच मध्यस्थता का काम करता है।

Ego (अहम्) में बचाव (defence) की मुद्रा, अवधारणात्मक (perceptional), बौद्धिक (Intellectual), संज्ञानात्मक (Cognitive) और कार्यकारी (Functional) कार्य भी शामिल हैं।"

Ego (the "I", Self) works according to the principle of reality.

Before Freud, the word Ego was used to mean the sense of self (secure of self), but later it was used as tolerance, control, planning, defense, synthesis of information, memory and as a moral decision maker who performs mental functions.

• Ego separates reality. It organizes our thinking and understanding and helps us to create the world around us.

• It gets energy from the Id.

• Ego acts as a controller over the Id.

• It is also called the secondary thinking process.

• Most of its functions are performed in the conscious state and some functions are performed in the unconscious state.

• It is also called the "seat of consciousness".

• It acts as a balance between the id and the super ego.

• "The ego mediates between the id and the super ego.

The ego also includes defensive, perceptual, intellectual, cognitive, and executive functions."

3. पराअहम् (Super ego):

Super ego (पराअहम्) मुख्य रूप से मनुष्य को उसके माता-पिता द्वारा सिखाया गया सांस्कृतिक (cultural) नियम है जो internalization प्रभाव व्यक्त करता है, जोकि मनुष्य को मार्गदर्शन और प्रभाव लागू करने में मदद करता है।

• इसे "higher self" भी कहते हैं।

• Super ego व्यक्ति को अपने नैतिक कर्तव्यों से अवगत कराता है।

• यह व्यक्ति के आदर्शों, आध्यात्मिक लक्ष्यों, विवेक का संगठित हिस्सा है जो किसी व्यक्तिगत आलोचनाओं को प्रतिबन्धित कर स्वयं की इच्छाओं, कल्पनाओं, भावनाओं के अनुरूप कार्य करता है।

• Super ego अचेतन स्तर पर कार्य करता है।

• पराअहम् समय के साथ-साथ व्यक्ति में विकसित होते हैं।

• यह आदर्शवादी सिद्धांत पर कार्य करता है।

• यह अहम् को आदेश प्रदान कर दमन द्वारा अवांछित इच्छाओं पर नियंत्रण करता है।

• Ego में निर्णय दूसरों के बारे में सोचना होता है, लेकिन उसका क्या परिणाम होगा,

Super ego is mainly the cultural rules taught to a person by his parents which expresses internalization effect, which helps to guide and influence the person.

• It is also called "higher self".

• Super ego makes a person aware of his moral duties.

• It is an organized part of the ideals, spiritual goals, conscience of the person which prohibits any personal criticism and acts according to his own desires, imaginations, emotions.

• Super ego works at the unconscious level.

• Super ego develops in a person with time.

• It works on idealistic principle.

• It controls unwanted desires by giving orders to the ego and suppressing them.

• In ego, decisions have to be taken thinking about others, but what will be its result,